Seventeenth Loksabha

an>

Title: Regarding not considering Shri Sammed Shikharji, the Holi Pilgrimage site for Jains as Tourist Spot.

श्री श्रीरंग आप्पा बारणे (मावल): सभापति महोदय, जैन धर्म का एक महत्वपूर्ण विषय मैं आज यहां रख रहा हूं । श्री सम्मेद शिखर जी जैन धर्मियों का अत्यंत महत्वपूर्ण तीर्थ क्षेत्र है, जो झारखण्ड में स्थित है । यहां से 22 तीर्थंकर, तपस्वी, त्यागी और साधु-संत हुए हैं । हजारों सालों से यह क्षेत्र जैन धर्मियों का तीर्थ क्षेत्र माना जाता है । यहां लाखों की संख्या में भविक और जैन बांधव पूरे देश से आते हैं । इस क्षेत्र को झारखण्ड सरकार ने पर्यटन स्थल घोषित करने का विचार किया है । अहिंसक और शांतिप्रिय जैन समाज को यह महसूस होता है कि यहां का पवित्र स्थल पर्यटन स्थल होने से यहां जैन धर्म की पवित्रता नष्ट हो जाएगी और इस बात के लिए जैन धर्मियों का इस क्षेत्र को पर्यटन स्थल बनाने का विरोध है ।

मैं मांग करता हूं कि केन्द्र सरकार और राज्य सरकार मिलकर जैन धर्मियों की भावना का आदर करते हुए इस पवित्र भूमि को पर्यटन स्थल घोषित न करने पर विचार करें । धन्यवाद ।

माननीय सभापति: सुश्री दिया कुमारी – उपस्थित नहीं ।

श्री जामयांग शेरिंग नामग्याल जी ।